Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 19-05-2006

Participants : Singh Kunwar Rewati Raman

Title : Power crisis in Uttar Pradesh.

श्री रेवती रमन सिंह (इलाहाबाद) : सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से एक अत्यन्त महत्वपूर्ण विाय उठाना चाहता हूं। आज पूरा उत्तर भारत विद्युत संकट से गुजर रहा है। भारत सरकार की सैंट्रल रैगुलेटरी कमीशन ने उत्तर प्रदेश और कार्पोरेशन के चेयरमैन पर एक लाख रुपये का फाइन यह कहकर लगा दिया कि उत्तर प्रदेश ज्यादा बिजली सैंट्रल पूल से ले रहा है। यदि तथ्यों को देखा जाए तो हकीकत इसके एकदम विपरीत है।

मान्यवर, हरियाणा को 260 मेगावाट, पंजाब को 270 मेगावाट और दिल्ली को 300 मेगावाट बिजली सप्लाई की जा रही है और उत्तर प्रदेश को मात्र 191 मेगावाट बिजली सप्लाई हो रही है। विगत वर्ा में उत्तर प्रदेश को 196 मिलियन यूनिट बिजली दी गई और इस साल 191 मिलियन यूनिट बिजली सप्लाई की गई जबकि उत्तर प्रदेश की डिमांड 200 मेगावाट बिजली की है।...(व्यवधान) उत्तर प्रदेश के साथ जो अन्याय किया जा रहा है, जो पक्षपातपूर्ण व्यवहार किया जा रहा है, वह सरासर अन्यायपूर्ण है।...(व्यवधान)

सैंट्रल रैगुलेटरी कमीशन ने जो एक लाख रुपये का फाइन किया है, उसे वापिस लिया जाए।